कुहूके कोयलिया

तोर अंगना म हो मा....कुहूके कोयलिया ॥2॥
चढ़ - घोर थे भकती के,रसना ना हो मा.....
येहो रसना ना मा.... तोर भुवना मा....

कारी वो कोयलिया बइठे हे आमा डार
काया ले पंछी फेर मानुस कस चिंहार
चढ़ -लागा थे अजब मिठ बोलना हो मा.....
येहो बोलना हो मा.... तोर भुवना मा....

कुहूके ज़ब कोयलिया स्वाशा के ले आधार
जाने बिन कइसे भकती के जोड़े तार
चढ़ -धनहे ये गौतम परेवना हो मा.....
ये परेवाना हो मा.... तोर भुवना मा....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34637/title/kuhuke-koyaliaya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |